छत्तीसगढ़ का अपवाह तंत्र

➢ प्रदेश की प्रमुख नदियां एवं उसकी सहायक नदियाँ मिलकर एक जाल का निर्माण करती है। जिसे नदी अपवाह तंत्र कहा जाता है।

- छत्तीसगढ़ में मुख्यतः 5 अपवाह तंत्र माने गए है :–

क्र.	अपवाह तंत्र	क्षेत्रफल (हजार किलोमीटर)	प्रतिशत	विशेष
1.	महानदी अपवाह तंत्र	77.432	56.15%	• राज्य की सबसे बड़ी अपवाह तंत्र है।
2.	गोदावरी अपवाह तंत्र	39.497	28.64%	• राज्य की दूसरी बड़ी अपवाह तंत्र
3.	सोनगंगा अपवाह तंत्र	18.89	13.63%	
4.	ब्रम्हणी अपवाह तंत्र	1.423	1.03%	
5.	नर्मदा अपवाह तंत्र	0.759	0.55%	• सबसे छोटा अपवाह तंत्र

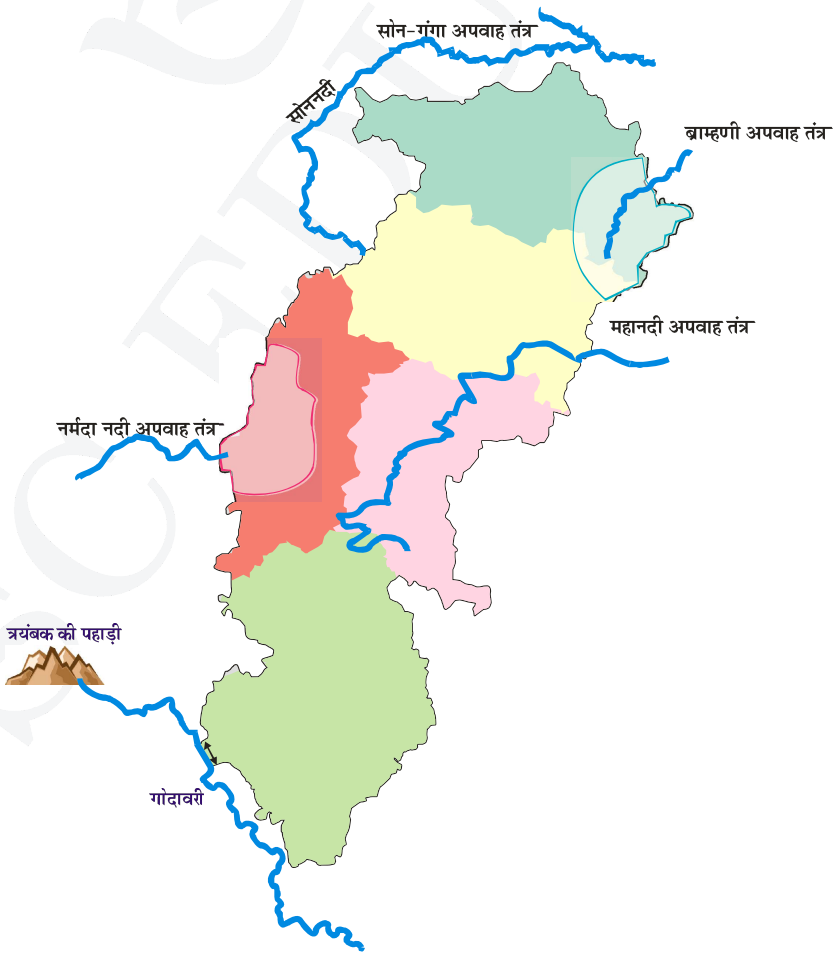

महानदी अपवाह तंत्र

- छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा अपवाह तंत्र है।
- यह छत्तीसगढ़ के कुल वर्षा जल का लगभग 56.15% जल संग्रहित करता है।
- इस अपवाह तंत्र के अंतगर्त छ.ग. के तीन संभाग (रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग) आते है।
- छत्तीसगढ़ के मध्य हिस्से में महानदी अपवाह तंत्र का विस्तार है।
- इस अपवाह तंत्र की सबसे बड़ी नदी महानदी है।
- महानदी अपवाह क्षेत्र लगभग 77 हजार वर्ग कि.मी. तक फैला हुआ है।

महानदी

- **उदगम** – सिहावा पर्वत, धमतरी जिला, श्रृंगीऋषि के आश्रम से
- **नामकरण** – श्रृंगी ऋषि के प्रिय शिष्य महानंदा के नाम पर नदी का नाम रखा गया है
- **विलीन** – बंगाल की खाड़ी (कटक के समीप ओड़िसा में)
- **प्रवाह क्षेत्र** – उत्तर पूर्व/ पूर्व
- **कुल जिले** – 11 जिलों में प्रवाहित होती है।
- **उपनाम** –
  - ✓ छत्तीसगढ़ की गंगा (धार्मिक महत्व के कारण)
  - ✓ छत्तीसगढ़ की जीवनरेखा (आर्थिक महत्व के कारण)

क्र	प्राचीन नाम	युग	पुराण
1	**चित्रोत्पला**	द्वापरयुग	स्कंद, मत्सय, ब्राम्हण पुराण
2	**नीलोत्पला**	सतयुग	वायुपुराण
3	**कनकनंदनी**	प्राचीनकाल	
4	**महानंदा**	महाभारत	

- **सीमारेखा का निर्माण** –
  - ✓ गरियाबंद व रायपुर के बीच
  - ✓ महासमुंद व बलौदाबाजार के बीच
  - ✓ बलौदाबाजार व जांजगीर चांपा (सबसे बड़ी सीमा रेखा) के बीच
  - ✓ जांजगीर–चांपा व सक्ती के बीच
  - ✓ सक्ती व सारंगढ़ के बीच
  - ✓ सारंगढ़ व रायगढ़ के बीच

- **संगम** – छत्तीसगढ़ में महानदी 3 संगम बनाती है।
  1. **राजिम** – महानदी, सोढूर, पैरी नदी मिलकर संगम बनाती है। इसीलिए राजिम छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहलाता है।
  2. **शिवरीनारायण** – महानदी, शिवनाथ व जोंकनदी मिलकर
  3. **चंद्रपुर** – महानदी, लातनदी व मांडनदी मिलकर
- **तटीय नगर** – राजिम, सिरपुर, चंपारण, शिवरीनारायण, आरंग, कसडोल, चंद्रपुर, पुसौर।
- **नोट** :–
  - ✓ महानदी छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी व छ.ग. में बहने वाली दूसरी सबसे बड़ी नदी है।
  - ✓ राज्य का सबसे बड़ा सड़क पुल (1830 मीटर) महानदी पर रायगढ़ जिले में पुसौर के समीप नदीगांव में बनाया गया है।
  - ✓ महानदी की सबसे बड़ी सहायक नदी शिवनाथ नदी है।

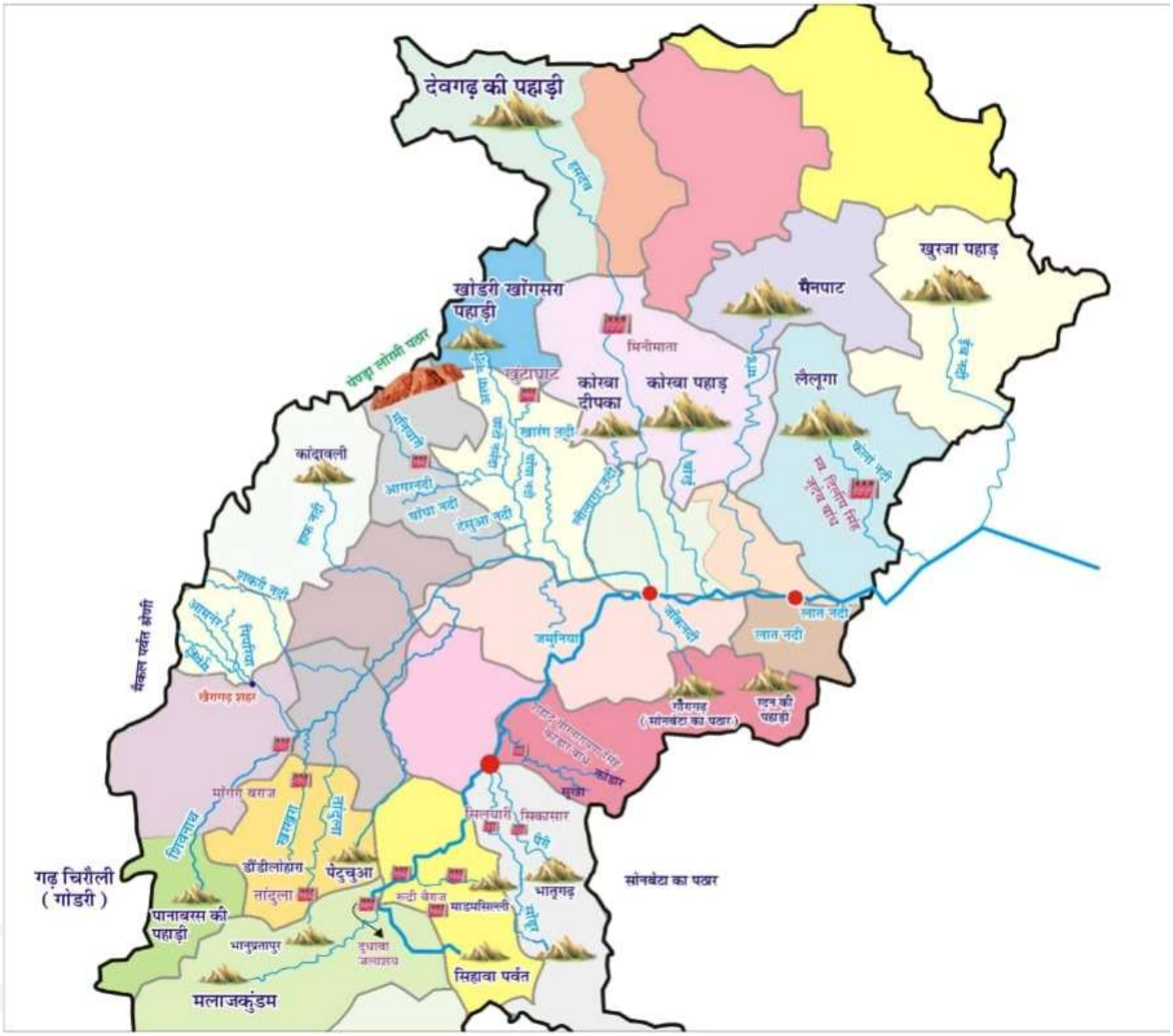

महानदी की उत्तर व दक्षिण से सहायक नदियाँ

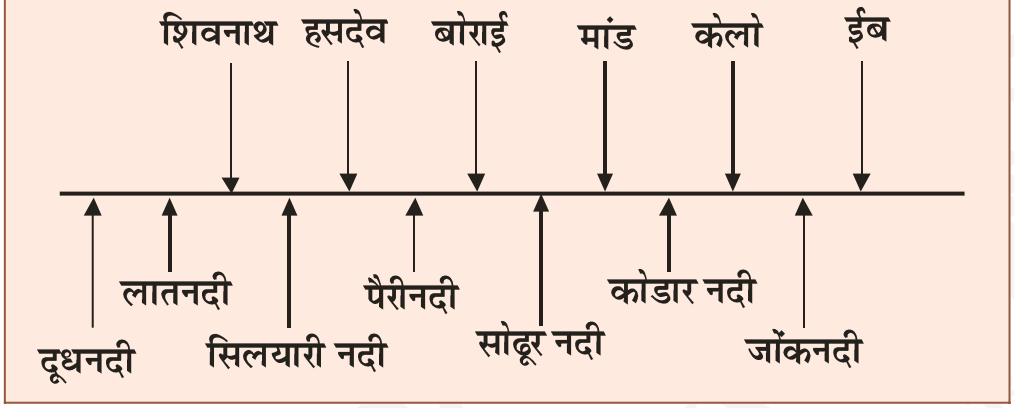

➢ शिवनाथ नदी :–

- **उद्गम** – पनाबरस पठार के कोलगुल से (जिला मोहेला–मानपुर)
- **प्रवाह** – पूर्व की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – मोहेला–मानपुर, रायगढ़ दुर्ग, बेमेतरा, मुंगेली, बिलासपुर, जांजगरी–चांपा
- **लंबाई** – 290 कि.मी.
- **सहायक नदियां** – हांपनदी, मनियारी, अरपा
  - ✓ **उत्तर से** – लीलागर, आमनेर, राकरी घुमना
  - ✓ **दक्षिण से** – खरखरा, खारून, तांदुला जमुनियां
  - ✓ **अन्य** – सोमबरसा, नानकट्टी
- **परियोजना** – खपरी, मरोदा, मोंगरा बैराज
- **प्राचीन नाम** – शिवा/शनि
- **विलीन** – महानदी (शिवरीनायारण)
- **अन्य** – शिवनाथनदी की जलधारण क्षमता सर्वाधिक है।

➢ बोरई नदी :–

- **उद्गम** – कोरबा पहाड़ (जिला कोरबा)
- **प्रवाह** – दक्षिण की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – कोरबा, सक्ती, जांजगरी–चांपा
- **विलीन** – महानदी (चंद्रपुर)

➢ हसदेव नदी :–

- **उद्गम** – सोनहत पठार (जिला–कोरिया)
- **प्रवाह** – दक्षिण कर ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – कोरिया, कोरबा, जांजगीर–चापा
- **लंबाई** – 176 कि.मी
- **प्राचीनतम** – हस्तुसोमा
- **सहायक नदी** – टेन, अहिरन
- **जलप्रपात** – अमृतधारा, गवरघाट
- **परियोजना** – हसदेव मिनीमाता परियोजना
- **विलीन** – महानदी (महुआडीह व केरा के पास)

➢ माण्ड नदी :–

- **उद्गम** – मैनपाट
- **प्रवाह** – दक्षिण की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – सरगुजा, रायगढ़, कोरबा सक्ती
- **सहायकत नदियां :–**
  - ✓ **दाई से** – कोइरजा, चिन्दई
  - ✓ **बाई से** – कुरकुट
- **लंबाई** – 155 कि.मी
- **प्राचीन नाम** – मंदगा
- **जलप्रपात** – सरभंजा
- **विलीन** – महानदी (चंद्रपुर)

➢ **केलो नदी :–**
- **उद्गम** – लुडेंग की पहाड़ी(जिला–रायगढ़)
- **प्रवाह** – दक्षिण की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – रायगढ़
- **लंबाई** – 112 कि.मी. जिसमें छत्तीसगढ़ में 97 कि.मी. प्रवाहित होती है।
- **परियोजना** – स्व. दिलीपसिंहजुदवे परियेजना
- **विलीन** – महानदी (महादेवपाली उड़ीसा)
- **अन्य** –
  - ✓ रायगढ़ की जीवन रेखा कहा जाता है।
  - ✓ यह नदी धरधोड़ा के मध्य भाग से होकर भालभार अभ्यारण्य और तमनार के मध्य से तराईमाल अभ्यारण व बरकछार के मध्य बहती हुई रायगढ़ नगर में प्रवेश करती है।

➢ **ईब नदी :–**
- **उद्गम** – खुरजा पहाड़ियों से पडरापाट (जिला–जशपुर)
- **प्रवाह** – दक्षिण की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – जशपुर
- **विलीन** – महानदी
- **लंबाई** – 202 कि.मी (छत्तीसगढ़ में 815 कि.मी)
- **सहायकत नदी** – खोरूंग, सिरी, डोरकी मैनी
- **जलप्रपात** – गुल्लु, बेने, धुरी

➢ **दूध नदी :–**
- **उद्गम** – मलाजकुंडम पहाड़ी (जिला–कांकेर)
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – कांकेर
- **जलप्रपात** – मलाजकुण्डम
- **विलीन** – महानदी

➢ **लात नदी :–**
- **उद्गम** – रदन की पहाड़ी (जिला–महासमुन्द)
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – महासमुद्र, सारंगढ़–बिलाईगढ़, सक्ती
- **विलीन** – महानदी (चंद्रपुर)

➢ **सिलयारी नदी :–**
- **उद्गम** – धमतरी (गड्डासिल्ली)
- **प्रवाहित क्षेत्र** – धमतरी
- **परियोजना** – मॉडमसिल्ली जलाशय
- **विलीन** – महानदी

➢ **पैरी नदी :–**
- **उद्गम** – भातृगढ़ (जिला – गरियाबन्द)
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – गरियाबन्द
- **परियोजना** – सिकासार जलाशय
- **विलीन** – महानदी

➢ **सोंढूर नदी :–**
- **उद्गम** – नरियरपानी (नवरंगपुर ओड़िसा)
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – गरियाबंद, धमतरी
- **परियोजना** – सोंढुर जलाशय
- **लंबाई** – 80.5 कि.मी
- **विलीन** – महानदी (राजिम)

➢ **जोंक नदी :–**
- **उद्गम** – सोनबेरा पठार (गौरागढ़ पहाड़ी) जिला – महासमुंद
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – महासमुद्र, बलौदाबाजार
- **परियोजना** – महानदी
- **तटीय शहर** – सोनाखान, गिरौदपुरी
- **विलीन** – महानदी (शिवरीनारायण के पास)

शिवनाथ की उत्तर व दक्षिण से सहायक नदियाँ

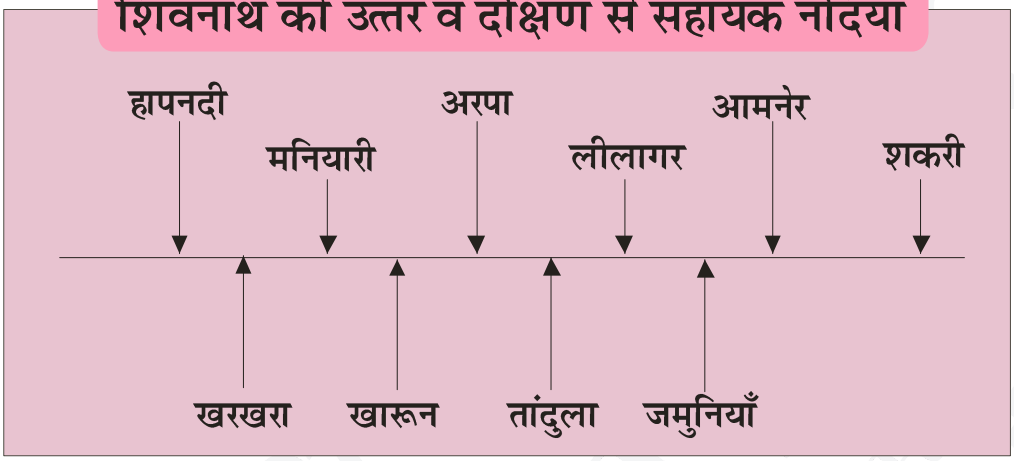

➢ **हापनदी :–**
- **उद्‌गम** – कांदावली पहाड़ी (जिला–कवर्धा)
- **प्रवाहित क्षेत्र** – कवर्धा, बेमेतरा
- **विलीन** – शिवनाथ

➢ **मनियारी नदी :–**
- **उद्‌गम** – पेण्ड्रा लोरमी का पठार
- **प्रवाह** – पूर्व की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – मुंगेली, बिलासपुर, गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही
- **सहायक नदी** – आगरा, टेसुआ, धोंधा, छोटीनर्मदा
- **लंबाई** – 134 कि.मी
- **परियोजना** – खुडियारानी जलाशय
- **तटीय सीमा** – तालागांव, तखतपुर, लोरमी
- **विलीन** – शिवनाथ
- **अन्य** – मनियारी नदी मुंगेली व बिलासपुर के मध्य सीमा रेखा बनाती है।

➢ **अरपा नदी :–**
- **उद्‌गम** – पेण्ड्रालोरमी का पठार (खोडरी खोंगसरा)
- **प्रवाह** – पूर्व की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही, बिलासपुर
- **लंबाई** – 100 कि.मी
- **प्रचीन नाम** – कृपा
- **सहायक नदी** – खांरगनदी
- **परियोजना** – भैंसाझार परियोजना
- **विलीन** – शिवानाथ (मानिकचौरा)

➢ **लीलागर नदी :–**
- **उद्‌गम** – दीपका पहाड़ी (जिला – कोरबा)
- **प्रवाह** – दक्षिण की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – कोरबा, बिलासपुर,
- **लंबाई** – 100 कि.मी

➢ **आमनेर नदी :–**
- **उद्‌गम** – मैकल श्रेणी (जिला – कर्वाधा)
- **प्रवाह** – पूर्व की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – खैरागढ़, राजनांदगांव, दुर्ग
- **विलीन** – शिवनाथ
- **सहायक नदी** – मुस्का, पिपरिया
- **अन्य** – खैरागढ़ में आमनेर, मुस्की, पिपरिया ये तीनों नदियाँ मिलकर संगम बनाती हैं।

➢ **खरखरा नदी :–**
- **उद्‌गम** – डौडीलौहारा
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – बालोद, दुर्ग
- **परियोजना** – खरखरा जलाशय
- **विलीन** – शिवनाथ

➢ **खारून नदी :–**
- **उद्‌गम** – चोरहानाला के पेंटेचुआ से (जिला – बालोद)
- **प्रवाह** – उत्तर–पूर्व
- **प्रवाहित क्षेत्र** – बालोद, रायपुर, बेमेतरा, बलौदाबाजार, दुर्ग
- **लंबाई** – 84 कि.मी
- **विलीन** – शिवनाथ (सोमनाथ नामक स्थान)

➢ **तांदुला नदी :–**

- **उद्‌गम** – भानुप्रतापपुर की पहाड़ियों से (जिला – कांकेर)
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – कांकेर, बालोद, दुर्ग
- **सहायक नदी** – जुहारनदी
- **लंबाई** – 64 कि.मी
- **विलीन** – शिवनाथ
- **अन्य** – तांदुला बांध से शिवनाथ तथा दोआव क मैदान की सिंचाई की जाती है।

गोदावरी अपवाह तंत्र

- यह छत्तीसगढ़ का दूसरा सबसे बड़ा अपवाह तंत्र है।
- छत्तीसगढ़ के मुल अपवाह तंत्र का लगभग 28.64% जल संगंहित करती है।
- छत्तीसगढ़ का दक्षिणी हिस्सा इस अपवाह तंत्र के अंतर्गत आता है।
- गोदावरी नदी की प्रमुख सहायक नदी इंद्रावतीनदी है।

गोदावरी नदी

- **उद्‌गम** – त्रयंबक की पहाड़ी नासिक महाराष्ट्र से
- **विलीन** – राजमुंदरी (आंध्रप्रदेश)
- **प्रवाह की दिशा** – पूर्व
- **लम्बाई** – कुल लम्बाई 1465 कि.मी. जिसमें 15 किमी. बीजापुर जिले में प्रवाहित होती है।
- **उपनाम** –
  - ✓ दक्षिण गंगा/वृद्ध गंगा
  - ✓ गोदवरी की सबसे बड़ी सहायक नदी इंद्रावती है।

इंद्रावती नदी

- **उद्‌गम** – मुंगेर की पहाड़ी, कालाहांडी (ओड़िसा)
- **प्रवाह** – उद्‌गम से पश्चिम की ओर (पश्चिम की ओर प्रवाहित होन वाली छ.ग. की सबसे बड़ी नदी)
- **प्रवाहित क्षेत्र** – बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर
- **लम्बाई** – छ.ग. में 264 किमी. (छ.ग. की तीसरी सबसे बड़ी नदी)
- **उपनाम** – बस्तर की जीवन रेखा
- **प्राचीन नाम** – मंदाकिनी
- **तटीय शहर** – जगदलपुर, बारसुर, भोपालपट्‌टनम, भैरमगढ़
- **विलीन** – भद्रकाली के समीप बीजापुर (गोदावरी नदी)
- **विशेष** – बस्तर संभाग को दो बराबर भागों में बाटती है।

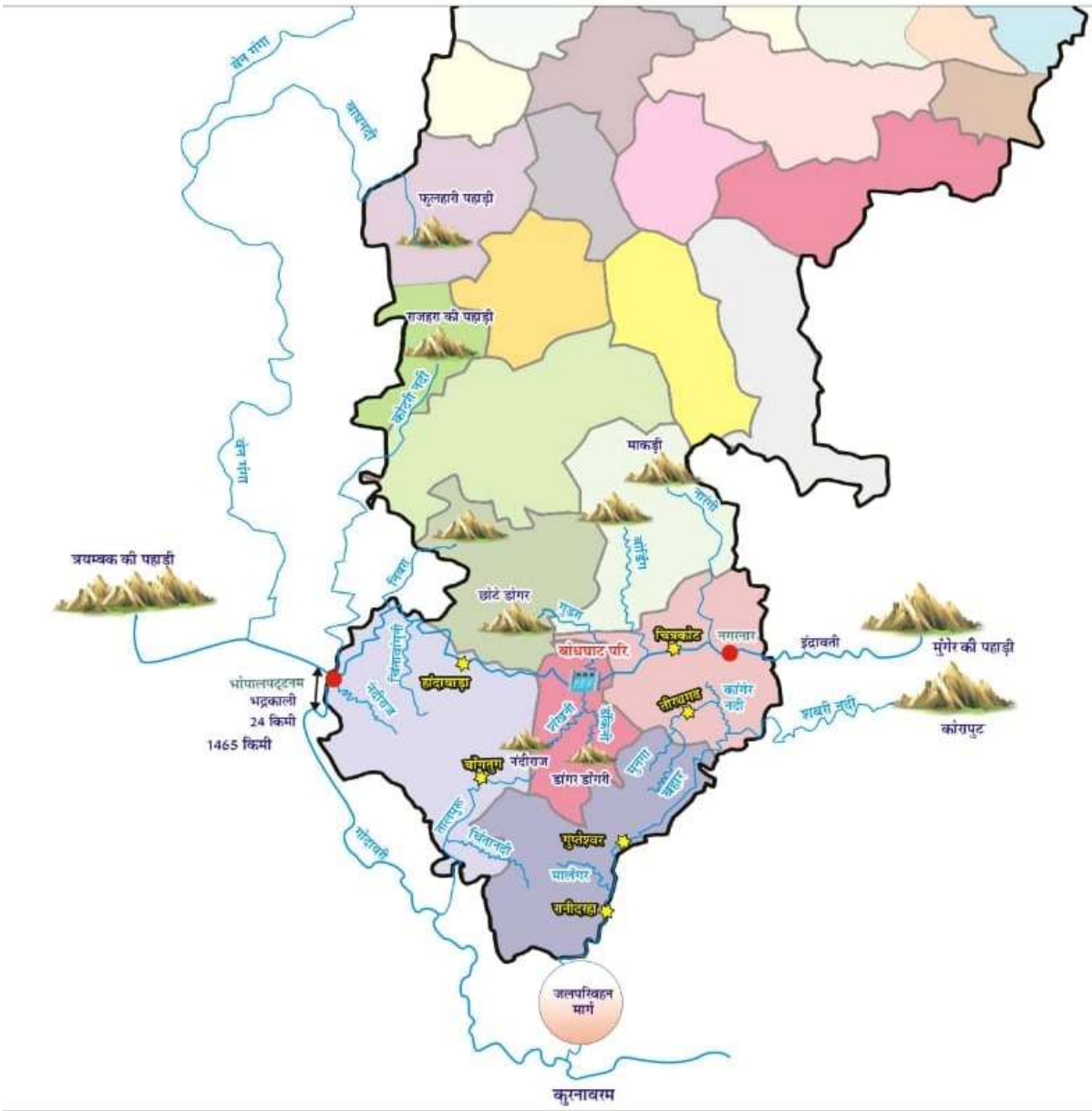

इंद्रावती की उत्तर व दक्षिण से सहायक नदियाँ

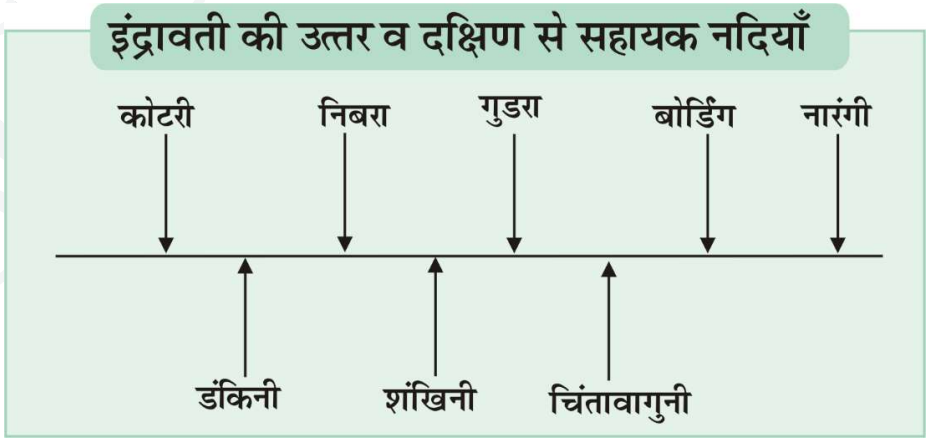

➢ **कोटरी नदी :–**
- **उद्गम** – राजहरा की पहाड़ी (जिला–मोहेला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी)
- **प्रवाहित क्षेत्र** – मोहला–मानपुर, नारायणपुर बीजापुर, कांकेर
- **लंबाई** – 135 कि.मी
- **प्राचीन नाम** – परलकोट
- **विलीन** – इंद्रावती (बीजापुर)
- **अन्य** – यह इंद्रावती की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

➢ **निबरा नदी :–**
- **उद्गम** – अबुझमाड़ की पहाड़ी (जिला – नारायणपुर)
- **प्रवाह** – दक्षिण की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – नारायणपुर, बीजापुर
- **विलीन** – इंद्रावती

➢ **गुडरा नदी :–**
- **उद्गम** – छोटे डोंगर (जिला नारायणपुर)
- **प्रवाह** – दक्षिण की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा
- **विलीन** – इंद्रावती (बस्तर)

➢ **बोर्डिंग नदी :–**
- **उद्गम** – जिला – कोंडागांव
- **प्रवाह** – दक्षिण की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – कोंडागांव, बस्तर
- **विलीन** – इंद्रावती

➢ **नारंगी नदी :–**
- **उद्गम** – माकड़ी पहाड़ी (जिला–कोंडागांव)
- **प्रवाह** – दक्षिण की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – कोंडागांव, बस्तर
- **तटीय शहर** – कोण्डागांव
- **विलीन** – इंद्रावती (चित्रकूट के समीप)

➢ **डंकिनी नदी :–**
- **उद्गम** – डांगरी–डोंगरी (जिला–दंतेवाड़ा)
- **प्रवाह** – उत्तरी की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – दंतेवाड़ा
- **सहायक नदी** – शंखिनी नदी
- **विलीन** – इंद्रवती (बारसुर)
- **अन्य** – डंकिनी–शंखिनी के संगम पर दंतेश्वरी मंदिर स्थित है।

➢ **शंखिनी नदी :–**
- **उद्गम** – नंदीराज चोटी, बैलाडीला (जिला – दंतेवाड़ा)
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – दंतेवाड़ा
- **तटीय शहर** – दंतेवाड़ा
- **विलीन** – डंकिनी नदी
- **अन्य** – छत्तीसगढ़ की सबसे प्रदुषित नदी है इसका जल रक्ताभ है।

➢ **बाघ नदी :–**
- **उद्गम** – कुलझारी पहाड़ी
- **प्रवाह** – दक्षिण की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – मोहेला मानपुर, राजनांदगांव
- **विलीन** – वेनगंगानदी

➢ **शबरी नदी :–**
- **उद्गम** – कोरापुट (ओड़िसा)
- **प्रवाह** – पश्चिम की ओर
- **प्रवाहत क्षेत्र** – बस्तर, सुकमा
- **सहायक नदी** – कांगेर, मालेगर (मुनगाबाहार)
- **लंबाई** – 173 कि.मी
- **प्राचीन नाम** – कोलाव
- **अन्य** –
  - ✓ सोने के कण पाये जाते है।
  - ✓ राज्य की एकमात्र नदी जिसमें कोंटा से आंध्रप्रदेश के कुनावरनम् तक 36 कि.मी. जलपरिवहन मार्ग है।

सोनगंगा अपवाह तंत्र

- सोनगंगा अपवाह तंत्र के अंतर्गत राज्य के उत्तरी क्षेत्र आता है।
- इस अपवाह तंत्र की सबसे बड़ी नदी रिहन्द है जिसे सरगुजा संभाग की जीवनरेखा कहते है।
- यह अपवाह तंत्र राज्य की तीसरी बड़ी नदी अपवाह तंत्र है।
- छत्तीसगढ़ के कुल वर्षा जल का लगभग 13.63% तक का जल धारण करता है।
  - ✓ बनास – मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के मध्य सीमारेखा बनाता है।
  - ✓ कन्हार – झारखण्ड व छत्तीसगढ़ के मध्य सीमारेखा बनाता है।
  - ✓ नेयूर – मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के मध्य सीमारेखा बनाता है।

सोननदी

- **उद्गम** – अमरकंटक (सोनकुण्ड)
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **विलीन** – गंगा नदी
- **अन्य** –
  - ✓ संस्कृत साहित्य में इसे हिरण्यबाहु कहते है।
  - ✓ सोनभद्र पुरूष नदी है।
  - ✓ सोनभद्र को शिवजी की स्वर्णभुजा के नाम से जानते है।
  - ✓ सोन नदी के बारे में सोन महत्म्य और वृहत ब्रह्म पुराण में मिलता है।

❖ प्रमुख सहायक नदियाँ :–

➢ रिहन्द नदी :–

- **उदगम** – मतिरिंगा पहाड़ी मैनपाट
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – सरगुजा, सुरजपुर
- **लंबाई** – 145 किमी.
- **प्राचीन नाम** – रेंड
- **सहायक नदियाँ** – घुनघुट्टा, मोरनी, महान, सुरया, गोबरी, जोहिला
- **तटीय शहर** – महेशपुर
- **विलीन** – सोननदी
- **अन्य** –
  - ✓ सरगुजा की जीवनरेखा कहलाती है।
  - ✓ यह सोनगंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
  - ✓ रिहंद नदी पर उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में गोविंद वल्लभ पंत सागर बाध का निर्माण किया गया है।

➢ बनास नदी :–

- **उद्‌गम** – मांजटोली (देवगढ़ की पहाड़ी) जिला – मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर
- **विलीन** – सोननदी (डेम्भा गांव)

➢ गोपद नदी :–

- **उद्‌गम** – सोनहत पठार
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – भरतपुर (छत्तीसगढ़), सीधी (मध्यप्रदेश)
- **विलीन** – सोननदी

➢ नेयुर नदी :–

- **उद्‌गम** – कोरिया
- **प्रवाहित क्षेत्र** – भरतपुर
- **विलीन** – बनासनदी

➢ कन्हार नदी :–

- **उद्‌गम** – गिधा–धोधी खुडिया पठार (जिला – जशपुर)
- **प्रवाह** – उत्तर की ओर
- **प्रवाहित क्षेत्र** – जशपुर
- **लंबाई** – 115 कि.मी
- **प्राचीन नाम** – रेणुका
- **जलप्रपात** – पवई जलप्रपात, कोठली
- **तटीय शहर** – डिपाडीह (बलरामपुर)
- **सहायक नदियां** – पवई, सिंदूर, पेंजन, गलफूला
- **विलीन** – सोननदी

ब्राम्हणी एवं नर्मदा अपवाह तंत्र

ब्राम्हणी अपवाह तंत्र

- इस अपवाह तंत्र की प्रमुख नदी ब्राम्हणी है जिसकी राज्य से दो सहायक नदियाँ उत्तर कोयर व दक्षिण कोयर है।
- राज्य के कुल जल का लगभग 1.03% संग्राहित करती है।

➢ **ब्राम्हणी नदी :–**

- **उदगम** – दूधावा पहाड़ी छोटा नागपुर का पठार
- **सहायक नदी** – उत्तरी कोयर व दक्षिण कोयर

नर्मदा अपवाह तंत्र

- इस राज्य का सबसे छोटा अपवाह तंत्र है।
- राज्य का लगभग 0.55% जल संग्रहित करता है।
- इस अपवाह तंत्र में राज्य की दो नदियाँ बंजर व ताड़ा है।
- दोनों नदियों का उद्‌गम कवर्धा जिलें से हुआ है।
- पश्चिम की ओर प्रवाहित होकर अरब सागर में मिलने वाली एकमात्र अपवाह तंत्र है।
- मैकल पर्वत श्रेणी महानदी अपवाह तंत्र व नर्मदा अपवाह तंत्र को अलग करती है।
- नर्मदा नदी की सहायक नदी इस राज्य के कवर्धा जिले से निकलने वाली बंजर व ताड़ा नदी है।

छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदियाँ

क्र	नदियों का नाम	लंबाई	प्राचीन नाम	विशेष
1.	शिवनाथ	290 किमी.	✓ शिवा/शनि	▪ छ.ग. में बहने वाली सबसे बड़ी नदी
2.	महानदी	286 किमी. (छ.ग. में) 858 किमी. (कुल लम्बाई)	✓ चित्रोत्पला ✓ नीलोत्पला ✓ कनकनंदनी ✓ महानंदा	▪ छ.ग. की सबसे बड़ी नदी ▪ छ.ग. की जीवनरेखा
3.	इन्द्रावती	264 किमी.	✓ मंदाकिनी	▪ बस्तर संभाग की सबसे बड़ी नदी व बस्तर की जीवनरेखा ▪ पश्चिम की ओर प्रवाहित होने वाली छग. की सबसे बड़ी नदी
4.	हसदेव नदी	176 किमी.	✓ हस्तुसोमा	
5.	शबरी नदी	173 किमी.	✓ कोलाव	▪ सोने के कण पाये जाते है व एकमात्र जलमार्ग है।
6.	मांड नदी	155 किमी.	✓ मंदगा	
7.	रिहन्द नदी	145 किमी.	✓ रंड	▪ सरगुजा की जीवनरेखा
8.	कोटरी	135 किमी.	✓ परलकोट	
9.	लीलागर	135 किमी.	✓ नीडिला	
10.	मनियारी	134 किमी.		
11.	कन्हार	115 किमी.	✓ रेणुका	
12.	अरपा	100 किमी.	✓ कृपा	
13.	जोंक	90 किमी.	✓ पलासिनी	
14.	ईब	85 किमी. (छ.ग. में) (कुल लंम्बाई 202 किमी.)		▪ सोने के कण पाये जाते है।

छत्तीसगढ़ की नदियाँ और उसके तट पर बसे शहर

क्र.	शहर	नदियां
1.	सिरपुर	महानदी
2.	राजिम	महानदी
3.	शिवरीनारायण	महानदी
4.	नांदघाट	शिवनाथ
5.	दुर्ग	शिवनाथ
6.	रायपुर	खारून
7.	चांपा	हसदेव
8.	कोरबा	हसदेव
9.	पिथमपुर	हसदेव
10.	रायगढ़	केलो
11.	कोंडागांव	नारंगी
12.	मल्हार	लीलागर
13.	बिलासपुर	अरपा
14.	बारसुर	इंद्रवती
15.	जगदलपुर	इंद्रावती
16.	नगरनार	इंद्रावती
17.	डिपाडीह	कन्हार
18.	दंतेवाड़ा	शंखिनी–डंकिनी
19.	महेशपुर	रिहंद
20.	गिरौदपुरी	जोंक नदी

छत्तीसगढ़ के जलप्रपात

क्र.	जिला	जलप्रपात	नदी	विशेष
1.	मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर	✓ नीलकण्ड		
		✓ अमृतधारा	✓ हसदेव	
		✓ गांवरघाट	✓ हसदेव	
		✓ रामदाह	✓ बनास	
		✓ अंकुरीनाला	✓ अंकुरीनाला	• प्राकृतिक ए.सी.
		✓ च्युल जलप्रपात		
2.	सूरजपुर	✓ महान	✓ महाननदी	
		✓ सारासोर	✓ रिहन्द नदी	
		✓ रक्सगण्डा	✓ रिहन्द नदी	
		✓ बांक		
		✓ तुर्रा		
		✓ कुंदरघाघ	✓ पिंगला नदी	
3.	बलरामपुर	✓ कोठली	✓ कन्हार	
		✓ भेड़िया	✓ पवई	
		✓ पवई	✓ चिनान	
		✓ तातापानी		• गर्म पानी का झरना
4.	जशपुर	✓ मकरभंजा	✓ महान	• 450 फीट ऊंचाई छत्तीसगढ़ का सबसे ऊँचा जलप्रपात
		✓ दमेरा		
		✓ राजपरी		
		✓ खुड़ियारानी		
		✓ रानीदाह		
		✓ बेनेजलप्रपात	✓ ईब	
		✓ छुरी	✓ ईब	
5.	सरगुजा	✓ सरभंजा	✓ मांड	• मैनपाट में स्थित
6.	कोरबा	✓ केन्दई	✓ केन्दई	
7.	रायगढ़	✓ रामझरना	✓ बलमदेई	
8.	कर्वधा	✓ रानीदहरा		
9.	महासमुन्द	✓ सातदेवधारा	✓ बलमदेइ	
10.	गरियाबन्द	✓ जतमई		
		✓ घटारानी		
		✓ चिंगरापगार		
		✓ गजपल्ला		
		✓ देवदहरा		
		✓ शेषपगार		
11.	बालोद	✓ शियारानी		

12.	कांकेर	✓ मलाजकुंडम	✓ दुधनदी	
13.	नारायणपुर	✓ चर्रे–मर्रे	✓ जोगीनदी	
		✓ खुरसेल	✓ खुरसेल	• सागौन लकड़ी के लिए प्रसिद्ध
14.	बीजापुर	✓ हान्दावाड़ा	✓ इन्द्रावती	• सबसे सुन्दर जलप्रपात
		✓ बोगतुंग	✓ तालपेरू	
15.	सुकमा	✓ गुप्तेश्वर	✓ शबरी	
		✓ रानीदरहा	✓ शबरी	
		✓ मालेंगर इन्दुल	✓ मालेंगर	
16.	दंतेवाड़ा	✓ सुरतगढ़	✓ डंकनी	
		✓ मेंदनीघुमर	✓ महरानाला	
		✓ सातधारा	✓ इन्द्रावती	**सात धाराओं के नाम** 1. शिवधारा 2. शिवचित्रधारा 3. बाणधारा 4. बोधधारा 5. कृष्णधारा 6. कपिलधारा 7. पाण्डवधारा
17.	बस्तर	✓ तीरथगढ़	✓ मुनगाबहार	• राज्य का सबसे ऊंचा जलप्रपात (ऊंचाई 300 फीट)
		✓ चित्रकोट	✓ इन्द्रावती	• राज्य का सबसे चौड़ा जलप्रपात • घोड़े के नाल के समान आकृति • भारत का न्याग्रा (ऊंचाई 90 फीट, चौड़ाई 300 फीट)
		✓ कांगेरधारा	✓ कांकेर	
		✓ महादेवधुमर	✓ कांगेर	
		✓ तामड़ाघूमर	✓ तामड़ा	
		✓ चित्रधारा	✓ तामड़ा	

छत्तीसगढ़ में बांध एवं परियोजनाएं

➢ महानदी परियोजना

- इसके अंतर्गत कुल 4 परियोजनाएं शामिल हैं इसकी कुल सिंचाई क्षमता 2.64 लाख हेक्टेयर है। इस प्रकार यह छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी परियोजना है।

1. रूद्री बैराज परियोजना – 1915

- ✓ **स्थान** – धमतरी
- ✓ **नदी** – महानदी
- ✓ **विशेष** –
  - छ.ग. में निर्मित सबसे पहली परियोजना है।
  - छ.ग. की पहली परियोजना – तांदुला

2. **माडमसिल्ली/बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव परियोजना–1923**
   - ✓ **स्थान** – धमतरी
   - ✓ **नदी** – सिलयरी नदी
   - ✓ **विशेष** – एशिया का सबसे पहला सायफन आधारित बांध है।

3. **दूधावा परियोजना–1962**
   - ✓ **स्थान** – कांकेर
   - ✓ **नदी** – महानदी/दूध नदी

4. **रविशंकर परियोजना/गंगरेल परियोजना–1979**
   - ✓ **स्थान** – धमतरी
   - ✓ **नदी** – महानदी
   - ✓ **विशेष** –
     - छ.ग. का सबसे लम्बा बांध है। इसकी लंकाई 1380 मी है।
     - यह एक जलविद्युत बहुउद्देशीय परियोजना है।
     - 25 MW × 4 = 10 MW विद्युत उत्पादन होता है।

➢ **महानदी काम्लेक्स** –
- इसके अंतर्गत कुल दो परियोजनाएं शामिल हैं।

1. **सिकासार परियोजना–1995**
   - ✓ **स्थान** – गरियाबंद
   - ✓ **नदी** – पैरी
   - ✓ यह एक बहुउद्देशीय परियोजना है जिसमें 3.5 MW × 2 = 7 MW विद्युत उत्पादन होता है।

2. **सोंढूर परियोजना – 1979**
   - ✓ **स्थान** – धमतरी
   - ✓ **नदी** – सोंढूर
   - ✓ **नोट** – महानदी काम्प्लेक्स परियोजनाओं को वर्ल्ड बैंक से सहायता प्राप्त है।

➢ **हसदेव बांगो परियोजना/मिनीमाता परियोजना**
- **निर्माण** – 1967
- **स्थान** – कोरबा
- **नदी** – हसदेव
- **विशेष** – इस राज्य की सबसे ऊँची परियोजना/बांध है।
  - ✓ बहुउद्देशीय परियोजना – 40 MW × 3 = 120 MW विद्युत उत्पादन होता है।
  - ✓ छ.ग. की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय परियोजना है जिसकी सिंचाई क्षमता 2.47 लाख हेक्टेयर है।
- **लाभांवित जिले** – जांजगीर चांपा /कोरबा

➢ **बोधघाट बहुउद्देश्यी परियोजना**
- **निर्माण** – 1979 से शुरू 2020 में पारित हुआं
- **स्थान** – दंतेवाड़ा
- **नदी** – इन्द्रावती
- **बहुउद्देशीय परियोजना** – 300 MW
- **ऊंचाई** – 90 मी.
- **सिंचाई लाभ** – दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा
- **सिंचित क्षेत्र** – 3.66 लाख हेक्टेयर

➢ **खरखरा परियोजना – 1964**
- **स्थान** – बालोद
- **नदी** – खरखरा
- **विशेष** – मिटटी से बना एकमात्र बांध है।

➢ **तांदुला परियोजना – 1913**
- **स्थान** – बालोद
- **नदी** – तांदुला
- **विशेष** –
  - ✓ छ.ग. की पहली परियोजना है।
  - ✓ भिलाई स्टील प्लांट को पानी सप्लाई किया जाता है।

➢ **केलो परियोजना/स्व. दिलीप सिंह जुदेव परियोजना**
- **जिला** – रायगढ़
- **नदी** – केलो
- **सिंचाई लाभ** – रायगढ़ व जांजगीर–चांपा जिले को

क्र.	परियोजना	जिला	स्थापना	नदी	विशेष
1.	खपरी	दुर्ग	1908		
2.	तांदुला	बालोद	1913	तांदुला	• छ.ग. का प्रथम परियोजना है।
3.	रूदीबांध	धमतरी	1915	महानदी	• छ.ग. का निर्मित प्रथम बांध है।
4.	माडमसिल्ली	धमतरी	1923	सिलयारी	• बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव परियोजना है।
5.	खुड़िया बांध	मुंगेली	1930	मनियारी	• राजीव गांधी के नाम पर है।
6.	खूंटाघाट	बिलासपुर	1920–31	खारंग	• संजय गांधी परियोजना है।
7.	गोन्दली	बालोद	1956	जुहार	
8.	दूधावा	धमतरी	1963	महानदी	
9.	घूघवा	रायपुर	1967		
10.	हसदेव बांध	कोरबा	1967	हसदेव	• प्रथम बहुउद्देशीय परियोजना है। • मिनीमाता परियोजना कहा जाता है।
11.	खरखरा	बालोद	1909	खरखरा	• मिट्टी से बना बांध है।
12.	चुहिंयापाट	सरगुजा	1972		
13.	सोंढूर परियोजना	धमतरी	1979	सोंढूर	
14.	सिकासार	गरियाबंद	1995	पैरी	• बहुउद्देशीय परियोजना है।
15.	गंगरेल	धमतरी	1979	महानदी	• सबसे लम्बा परियोजना है। • इसे रविशंकर जलाशय भी कहा जाता है।
16.	कोडार	महासमुंद	1981	कोडार	• स्व. दिलीप सिंह जुदेव परियोजना है।
17.	किनकारीनाला	रायगए	1982	किनकारी	
18.	पुटका नाजा	रायगढ़	1982	पुटकानाला	
19.	घुनघुट्टा	सरगुजा	2000	घुनघुट्टा	
20.	गेजरिजर्वर	कोरिया	2002	कोसारटेडा	
21.	कोसारटेडा	बस्तर			
22.	घोंघापरियोजना	बिलासपुर		घोंघा	
23.	रामावतार	बिलासपुर			
24.	महान	सरगुजा		महान	
25.	झुमका	कोरिया			
26.	मयान	कांकेर			
27.	रोगदा	जांजगीर चांपा			

सिंचाई

➢ छत्तीसगढ में सिंचाई (मार्च 2021 तक)

- **राज्य गठन के समय एवं वर्तमान स्थिति में**

	2000	मार्च 2021 तक
वृहद परियोजना	03	08 (04 निर्माणाधीन)
मध्य परियोजना	29	37 (01 निर्माणाधीन)
लघु परियोजना	1945	2,477 (333 निर्माणाधीन)
स्टापडेम/एनिकेट	–	806 (161 निर्माणाधीन)
नलकूप योजना	–	30 (01 निर्माणाधीन)
कुल सिंचाई	**13.28 लाख हेक्टयर**	**21.34 लाख हेक्टे. (8.06 लाख हेक्टे. की वृद्धि हुई है।)**

नोट :–

- राज्य निर्माण से लेकर अब तक कुल **8.06 लाख हेक्टेयर** क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजित की गई है और इस प्रकार राज्य की सिंचाई क्षमता में **60.69%** की वृद्धि हुई है।
- वर्तमान में प्रदेश की कुल कृषि भूमि का **38.45%** सिंचित है।
- आगामी वर्ष में राज्य के कुल बोये गये क्षेत्र का **75 प्रतिशत** अर्थात् करीब **43 लाख हेक्टेयर** क्षेत्र में से 32 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सतही जल सिंचाई क्षमता विकसित करने का लक्ष्य है।

➢ वृहद परियोजना :–

1. रविशंकर (गंगरेल) जलाशय
2. मुरूमसिल्ली (बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव) जलाशय
3. दुधावा जलाशय
4. रूद्री बैराज (डॉ. खुबचंद बघेल)
5. सोंढुर जलाशय
6. राजीव समोदा (निसदा) व्यपवर्तन **(निर्माणाधीन)**
7. तांदुला जलाशय
8. सिकासार परियोजना
9. कोडार (शहीद वीरनारायण सिंह) जलाशय
10. जोंक व्यपवर्तन
11. मिनीमाता बांगो (हसदेव) परियोजना
12. दिलीप सिंह जुदेव (केलो) परियोजना **(निर्माणाधीन)**
13. खारंग जलाशय परियोजना
14. मनियारी जलाशय
15. अरपा भैसाझार परियोजना **(निर्माणाधीन)**

➢ औद्योगिक संस्थानों को जल आपूर्ति के लिये निर्मित बैराज :–

1. समोदा बैराज – रायपुर
2. शिवरीनारायण बैराज – जांजगीर–चांपा
3. बसंतपुर बैराज – जांजगीर–चांपा
4. मिरौनी बैराज – सक्ति
5. साराडीह बैराज – सक्ति
6. कलमा बैराज – रायगढ़

➢ नदी जोडो अभियान :–

1. अहिरन–खारंग
2. तांदुला–महानदी
3. पैरी–महानदी
4. हसदेव–केंदई

➢ सिंचाई स्त्रोत अनुसार शुद्धि सिंचिंत क्षेत्र (2020–21)

क्र.	सिंचाई साधन	सिंचिंत क्षेत्र (हेक्टेयर में)	सिंचाई प्रतिशत	सर्वाधिक सिंचित (जिला)
1.	नहरें	9,10,869	56.96%	बिलासपुर
2.	नलकूप	6,47,961	40.52%	रायगढ
3.	तालाब	26,074	1.63%	जशपुर
4.	कूआँ	14,050	0.87%	दंतेवाडा
	कुल	**15,98,954**		

➢ छत्तीसगढ में सिंचित क्षेत्र की स्थिति (30 जून 2021)

मद	कुल सिंचित क्षेत्र	निरा या शुद्ध सिंचित क्षेत्र
सिंचित क्षेत्रफल	21.48 लाख हेक्टेयर	15.98 लाख हेक्टेयर
सिंचाई का प्रतिशत	37 प्रतिशत	35 प्रतिशत

➢ जिलेवार कृषि भूमि सिंचित क्षेत्र

क्र.	सिंचित जिले क्षेत्रफल में		सिंचित जिले प्रतिशत में	
	निरा/शुद्ध	कुल	निरा/शुद्ध	कुल
1.	**कोरबा**	**कोरबा**	**कोरबा**	**कोरबा**
2.	रायपुर	बेमेतरा	रायपुर	रायपुर
3.	बलौदाबाजार	राजनांदगांव	धमतरी	धमतरी
:	:	:	:	:
:	:	:	:	:
26.	सुकमा	सुकमा	सुकमा	सुकमा
27.	नारायणपुर	नारायणपुर	नारायणपुर	नारायणपुर
28.	**दंतेवाडा**	**दंतेवाडा**	**दंतेवाडा**	**दंतेवाडा**

प्रदेश में भू जल का विस्तारित स्थिति

- छत्तीसगढ़ में विभिन्न स्त्रोतों से सतही जल की मात्रा 48,296 मिट्रिक घन मीटर है जिसमें से उपयोग में लाये जाने वाली जल की मात्रा 41,720 मिट्रिक घन मीटर है जोकि कुल सतही जल का 86.38% है।
- छत्तीसगढ़ में भूगर्भिक जल की मात्रा 11,630 मिट्रिक घन मीटर है जिसमें से उपयोग में लाये जाने वाली जल की मात्रा 4,652 मिट्रिक घन मीटर है जोकि कुल सतही जल का 40% है।

146 (विकास खण्ड) (भू–जल दृष्टि रूप से)

110 विकासखण्ड	**27** विकासखण्ड	**09** विकासखण्ड
(सुरक्षित)	(आंशिक संकटपूर्ण श्रेणी में)	(संकटपूर्ण श्रेणी में)

➢ **नोट** :– संकटपूर्ण श्रेणी में शामिल छत्तीसगढ़ के 9 विकासखण्ड

1. गुरूर
2. बेमेतरा
3. बेरला
4. धमतरी
5. दुर्ग
6. कवर्धा
7. पंडरिया
8. धरसीवां
9. खैरागढ़

➢ प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

- प्रारंभ – 2015–16
- भारत सरकार द्वारा देश में चिन्हांकित 103 महत्वपूर्ण योजनाओं में प्रदेश की प्रमुख 3 योजनाएं शामिल है।
  1. केलो वृहद परियोजना (22,810 हेक्टेयर)
  2. खारंग सिचाई परियोजना (8,300 हेक्टेयर)
  3. मनियार सिंचाई परियोजना (11,515 हेक्टेयर)
- इन सबका क्षमता बढाना व पुनद्धार करना।
- इसके अंतर्गत स्प्रिंकलर, ड्रिप, ट्यूबवेल, लघु सिंचाई तालाब चेकोम आदि को शामिल किया गया हैं।